भारतीय गैर न्यायिक

Rs. 20000 रु.

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

INDIA NON JUDICIAL

Rs. 20000 रु.

22 MAY 2008

CHIEF TREASURY OFFICER

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

540200

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 15,00,00,000/- रूपये
स्टाम्प पेपर अंकन : 1,50,00,000/- रूपये

हम कि श्री अतर सिंह पुत्र बूढ़े सिंह निवासी ग्राम महरौली, परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद (फरीक अव्वल, विक्रेता)

एवम्

मैसर्स महागुण रीयल एस्टेट प्रा० लि०, पंजीकृत कार्यालय, सी-215, विवेक विहार, दिल्ली-95, द्वारा डायरेक्टर श्री धीरज जैन पुत्र श्री पी० के० जैन, निवासी सी-215, विवेक विहार, दिल्ली -95 द्वितीय पक्ष (फरीक दोयम क्रेता कम्पनी)

विक्रीत भूमि का विवरण

(हस्ताक्षर/निशानी अ[illegible]र सिंह)
(हस्ताक्षर)
फरीक अव्वल (विक्रेता)

For MAHAGUN REAL ESTATE PVT. LTD.

Director

For [illegible]

Director

भारतीय गैर न्यायिक

Rs. 20000 रु. बीस हजार रुपये RUPEES 20000 रुपये Rs. 20000 रु.

INDIA NON JUDICIAL

2 2 MAY 2006

CHIEF उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (2) 540199

(1) भूमि स्थित ग्राम महरौली परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद (उ0प्र0), में कषिश भूमि खाता नं0 278 के खसरा नं0 840मि0 रकबई 0.5580 हैक्टेयर व खसरा नं0 841मि0 रकबई 0.4950 हैक्टेयर व खसरा नं0 853 रकबई 1.720 हैक्टेयर व खसरा नं0 854 रकबई 0.9740 हैक्टेयर व खसरा नं0 855 रकबई 0.2910 हैक्टेयर व खसरा नं0 839 रकबई 0.7590 हैक्टेयर व खसरा नं0 1037मि0 रकबई 0.0760 हैक्टेयर व खसरा नं0 1038मि0 रकबई 0.2810 हैक्टेयर व खसरा नं0 1039 रकबई 0.3290 हैक्टेयर कुल योग नम्बरान 9 कुल रकबई 5.463 हैक्टेयर भूमि में मैं प्रथम पक्ष विक्रेता 1/3 भाग की भूमि बकदर रकबई 1.821 हैक्टेयर अर्थात 4.4998 एकड़ खतौनी 1408 ता 1413 फसली जिसका फरीक अव्वल (विक्रेता) पूर्णतया स्वामी व विक्रय अधिकारी, संक्रमणीय भूमिधर दर्ज मालकागजात है, का बैनामा हाजा में विक्रय किया गया।

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा अतर सिंह)

(हस्ताक्षर)

फरीक अव्वल (विक्रेता)

भारतीय गैर न्यायिक

बीस हजार रुपये

RUPEES 20000 रुपये

Rs. 20000 रु. INDIA NON JUDICIAL Rs. 20000 रु.

22 MAY 2009

CHIEF TREASURY OFFICER

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

540198

(3)

(2) विक्रीत भूमि कषि भूमि है। तथा संक्रमणीय भूमिधरी की भूमि है। कलक्टर द्वारा उक्त क्षेत्र की मुख्य मार्ग की निर्धारित दर अंकन 80,00,000/– रुपये प्रति एकड़ व मुख्य मार्ग से दूर की निर्धारित दर अंकन 60,00,000/– रु0 प्रति एकड़ है लेकिन इस विक्रय पत्र मे सर्किल रेट से अधिक दर पर सरकारी स्टाम्प अदा किया गया है।

(3) विक्रेता अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति से नहीं है।

(4) विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, वक्फ, पट्टे आदि की भूमि नही है और न हीं निश्कान्ति व षत्रु संपत्ति है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद है । तथा विक्रीत भूमि किसी भी सरकारी अथवा अर्द्ध सरकारी कार्य हेतु अधिग्रहण के लिये अधिसूचित नहीं की गयी है।

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा अतर सिंह)

(हस्ताक्षर)

फरीक अव्वल (विक्रेता)

For Mahagun Real Estate Pvt. Ltd.

Director

भारतीय गैर न्यायिक

Rs. 20000 रु.

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

Rs. 20000 रु. INDIA NON JUDICIAL Rs. 20000 रु.

22 MAY 2008

CHIEF TREASURY OFFICER

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

540197

(5) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(i) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है।

(6) यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि का पूर्व में कोई अनुबंध पत्र पंजीकृत नहीं हुआ है ।

(7) विक्रीत भूमि खाता नं0 278 के कुल रकबई 5.463 हैक्टेयर में मैं प्रथम पक्ष विक्रेता 1/3 भाग की भूमि बकदर रकबई 1.821 हैक्टेयर अर्थात 4.4998 एकड़ खतौनी 1408 ता 1413 फसली, का मालिक हूँ स्थित ग्राम महरौली परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद को आज इस विक्रय पत्र के द्वारा विक्रय किया जा रहा है । अब विक्रित भूमि उक्त में विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण व वारिसान का कोई भाग व कुर्रा शेष नही रहा है।

(हस्ताक्षर / निशानी [illegible] सिंह)

(हस्ताक्षर)

फरीक अव्वल (विक्रेता)

For [illegible] Pvt Ltd

Director

भारतीय गैर न्यायिक

R 20000 रु

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

R 20000 रु INDIA NON JUDICIAL R 20000 रु

OFFICE OF ...

22 MAY 2008

CHIEF TREASURY OFFICER

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

540196

(8) विक्रेता ने विक्रीत भूमि का प्रमाणित खसरा, खतौनी, व नक्शा व अपना पहचान पत्र विक्रय पत्र के साथ संलग्न किया है।

(9) विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की ओर से हर प्रकार के बन्धक भार व सरकारी देनदारी आदि से मुक्त है कही अन्य जगह आड, रहन, बय, हिबे, महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजी रूप आदि में ग्रस्त नही है।

(10) विक्रीत भूमि उक्त पर कोई बैंक ऋण व बिजली या अन्य किसी प्रकार का डयूज भी नही है। इस विक्रय भूमि से संबधित किसी भी प्रकार का विवाद–ग्रस्त मामला किसी भी मान्य न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग / कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही लम्बित है। और न ही किसी निर्णीत आदेश का क्रियान्वन ही लम्बित है।

(हस्ताक्षर / निशानी ... र सिंह)

(हस्तावार)

फरीक अव्वल (विक्रेता)

... Estate Pvt. Ltd.

Director

VIRE... D...

Ch. No. 25 ...

भारतीय गैर न्यायिक

बीस हजार रुपये
RUPEES
20000
रुपये

Rs. 20000 रु. INDIA NON JUDICIAL Rs. 20000 रु.

GHAZIABAD
22 MAY 2008
CHIEF TREASURY OFFICER

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH (6) 540195

(11) विक्रीत मिल्कियत उक्त के विक्रय मे कोई दोश व त्रुटि नही है हर प्रकार के वाद विवाद से मुक्त है । अगर कोई वाद विवाद विक्रय से सम्बंधित पाया जाता हैं तो इसके जिम्मेदार फरीक अव्वल व उनके वारिसान होगे ।

(12) मुझ विक्रेता को अपने हिस्से के पूर्ण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है। मुझ विक्रेता को वास्ते तरक्की कार्य एंव अन्य निजी आवश्यकता हेतू पैसों की आवश्यकता है तथा मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत क्रेता से मिल रही है। अतः मुझ विकता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के, बरजामंदी, शुद्व बुद्वि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा में अपने पारिवारिक सहमति से मय समस्त अधिकार मालिकाना, काबिजाना, दाखिली–खारिजी, कास्त भराई, हर किस्म कब्जा गर्ज के जो कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नहीं

(हस्ताक्षर / निशानी अंगूठा अतर सिंह)
(हस्ताक्षर)
फरीक अव्वल (विक्रेता)

Pvt. Ltd.
Director

Ch. No. 66

भारतीय गैर न्यायिक

Rs. 20000 रु.

बीस हजार रुपये

RUPEES 20000 रुपये

INDIA NON JUDICIAL

OFFICE OF THE ... GHAZIABAD

22 MAY 2008

CHIEF TREASURY

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

540194

रहा है आदि आदि को आज की तारीख में विक्रय धनराशी अंकन 15,00,00,000 रूपये (पन्द्रह करोड़ रूपये मात्र) जिसके आधे अंकन 7,50,00,000 / – (सात करोड़ पचास लाख रू० मात्र) रूपये होते है के एवज में हाथ फरीक दोयम क्रेता उपरोक्त मैसर्स महागुण रीयल एस्टेट प्रा० लि०, पंजीकृत कार्यालय, सी–215, विवेक विहार, दिल्ली–95, द्वारा डायरेक्टर श्री धीरज जैन पुत्र श्री पी० के० जैन, निवासी सी–215, विवेक विहार, दिल्ली –95 द्वितीय पक्ष (फरीक दोयम क्रेता कम्पनी) को बय कर दिया है यानि कतई बेच दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशी मुझ विक्रेता ने क्रेता से निम्नप्रकार प्राप्त कर ली है। अब कुछ भी विक्रय धनराशि बाकी नही रही है।

(हस्ताक्षर / निशानी [illegible]तार सिंह)

(हस्ताक्षर)

फरीक अव्वल (विक्रेता)

For [illegible]

Director

भारतीय गैर न्यायिक

Rs. 20000 रु.

बीस हजार रुपये

RUPEES 20000 रुपये

INDIA NON JUDICIAL

OFFICE OF [illegible]
22 MAY 2008
CHIEF TREASURY [illegible]

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

540193

(13) विक्रय भूमि का कब्जा मौके पर क्रेता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया है जिसके क्रेता पूर्णतःमालिक काबिज दखिल बन गये है उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि को जिस प्रकार चाहे बहैसियत मालकाना प्रयोग में लावें।

(14) विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात मे बजरिये बैनामा दाखिल खारिज मालकागजात मे कराकर क्रेता का नाम दर्ज करवायेगा या वो स्वय दर्ज करवा सकते है तथा आवश्यक प्रपत्रो पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुझ फरीक अव्वल से करा सकते है. मुझ फरीक अव्वल को कोइ एतराज नहीं होगा।

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा [illegible] सिंह)
(हस्ताक्षर)
फरीक अव्वल (विक्रेता)

For [illegible]

Director

भारतीय गैर न्यायिक

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

Rs. 20000 रु. INDIA NON JUDICIAL Rs. 20000 रु.

OFFICE OF ... GHAZIABAD

22 MAY 2006

CHIEF TRE...

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

540192

(15) अतः अब विक्रय पश्चात विक्रीत भूमि की मिलकियत भूमि में निहित हित व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता का, अब कोई संबध बाकी नही रहा और न कभी रहेगा।

(16) विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल / विक्रेता की ओर कोई भार निकला और निकला हुआ भार क्रेता या स्थानापन को अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या वारिसान विक्रेता की दावेदारी या किसी कानूनी नुक्स आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा उसका कोइ अंष क्रेता या उसके वारिसान या स्थानापन के कब्जे मालकाना से निकल जाये, तो हर ऐसी दषा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल / विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूपसे जिम्मेदार होगे तथा क्रेता व उसके स्थानापन व उत्तराधिकारीगणों को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से

(हस्ताक्षर / निशानी अंगूठा अतर सिंह)

(हस्ताक्षर)

फरीक अव्वल (विक्रेता)

For Ma... Pvt. Ltd.

Director

भारतीय गैर न्यायिक

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

Rs. 20000

INDIA NON JUDICIAL

Rs. 20000

OFFICE OF THE ... GHAZIABAD

22 MAY 2008

CHIEF TREASURY OFFICE

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

540191

अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशी को मय हर्जे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता वारिसान की चल व अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते है जिस पर फरीक अव्वल / विक्रेता को कोई आपत्ति नही होगी।

(17) विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है।

(18) अतः यह विक्रय पत्र खूब सोच समझ कर, सुनकर पढ़ कर गवाहों की उपस्थिति में लिख दिया गया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवें।

(हस्ताक्षर / निशानी अंगूठा अतर सिंह)
(हस्ताक्षर)
फरीक अव्वल (विक्रेता)

For ... Pvt. Ltd.

Director

भारतीय गैर न्यायिक

Rs. 20000 रु. बीस हजार रुपये RUPEES 20000 रुपये

Rs. 20000 रु. INDIA NON JUDICIAL Rs. 20000 रु.

OFFICE OF THE ... GHAZIABAD
22 MAY 2008
CHIEF TREASURY

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 540190

(11)

विवरण वसूलयाबी कुल धनराशि का :

1. अंकन 25,00,000/– रुपये का डीडी0 नं0 005890 दिनांकित 05.05. 2008, एच0 डी0 एफ0 सी0 बैंक लि0, वैशाली, गाजियाबाद
2. अंकन 2,00,00,000/– रुपये का डीडी0 नं0 006045 दिनांकित 21.05.2008, एच0 डी0 एफ0 सी0 बैंक लि0 वैशाली, गाजियाबाद
3. अंकन 1,65,00,000/– रुपये का डीडी0 नं0 006062 दिनांकित 22.05.2008, एच0 डी0 एफ0 सी0 बैंक लि0, वैशाली गाजियाबाद
4. अंकन 7,10,00,000/– रुपये का डीडी0 नं0 006064 दिनांकित 22.05.2008, एच0 डी0 एफ0 सी0 बैंक लि0, वैशाली, गाजियाबाद
5. अंकन 4,00,00,000/– रुपये का चैक नं0 247704 दिनांकित 30.07.2008, केनरा बैंक साहिबाबाद, गाजियाबाद, द्वारा विक्रेता ने क्रेता से पेशगी वसूल पा लिये ।

For ... Pvt. Ltd.

Director

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा अतर सिंह)

(हस्ताक्षर)

फरीक अव्वल (विक्रेता)

VIRENDRA ...
Ch. No. 56 ...
GHAZIABAD

VIRENDRA ...

भारतीय गैर न्यायिक

Rs.20000 रु.

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

Rs.20000 रु. INDIA NON JUDICIAL Rs.20000 रु.

OFFICE OF ... GHAZIABAD

22 MAY 2008

CHIEF TREASURY OFFICER

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

12

540300

यह स्टाम्प ग्राम महरौली के खाता नंबर 278 के बैनामें में शमिल है।

(हस्ताक्षर / निशानी अंगूठा अत्तर सिंह)
फरीक अव्वल (विक्रेता)

(हस्ताक्षर)
फरीक दोयम
(क्रेता)

भारतीय गैर न्यायिक

Rs 20000 रु

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

INDIA NON JUDICIAL

22 MAY 2008

CHIEF TREASURY OFFICER

UTTAR PRADESH 749

540151

यह स्टाम्प ग्राम महरौली के खाता नम्बर–278 के बैनामे में शामिल है ।

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा अतर सिंह)
फरीक अव्वल (विक्रेता)

(हस्ताक्षर)
फरीक दोयम (क्रेता)

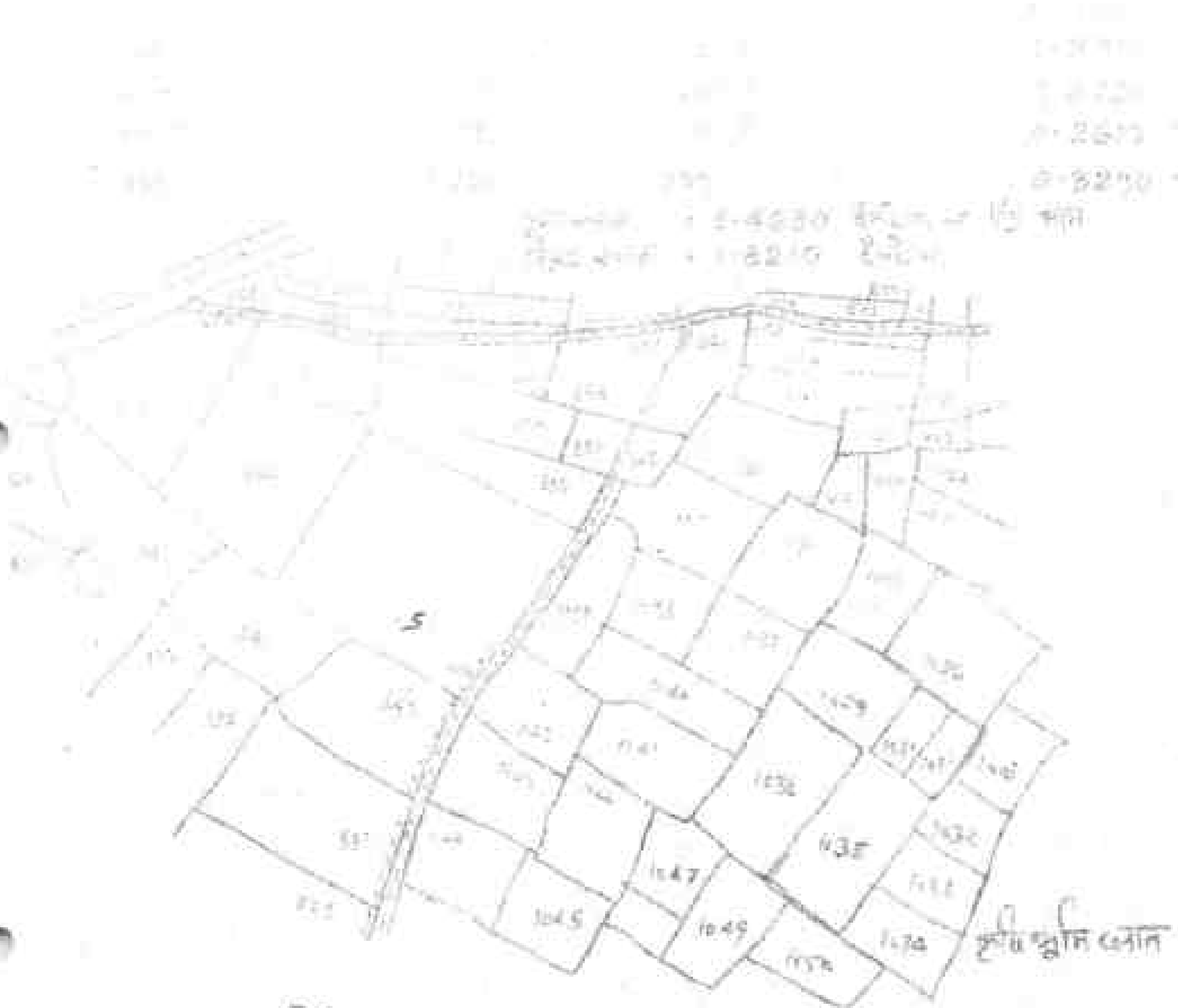

MANOJ SHARMA

Director

Architects, Engineers, Valuers

Int. Designers GDA Reg. No. 54

ARCHITECHNO-COMBINE

CH. NO. 85, TEHSIL COMP. GZB

PH : R-2786133, M-9811504092

Director

For [illegible] Pvt. Ltd.

Director

भारतीय गैर न्यायिक

Rs. 20000 रु.

बीस हजार रुपये

RUPEES

20000

रुपये

INDIA NON JUDICIAL

OFFICE OF THE ... GHAZIABAD

22 MAY 2008

TREASURY OFFICE

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

540189

For Mahagun Real Estate Pvt. Ltd.

(हस्ताक्षर / निशानी ... अतर सिंह)
फरीक अव्वल (विक्रेता)

(हस्ताक्षर) Director
फरीक दोयम (क्रेता)

गवाह नं० 1
Mahabir Singh
S/o Shri Attar Singh
Mahrauli

गवाह नं० 2
PRADEEP SHARMA
S/o Late Sh. P. K. SHARMA
A-19 Sec 63
NOIDA

तहरीर दिनांक : 22-05-2008 मसौदाकर्ता वीरेन्द्रपाल सिंह एडवोकेट, तहसील कम्पाउन्ड गाजियाबाद ।

VIRENDRA PAL SINGH
Advocate
Ch. No. 56, Tehsil Compound
GHAZIABAD

For MAHAGUN REAL ESTATE PVT. LTD.

Director

22 MAY 2008

CASHIER

TREASURY GHAZIABAD

584

27-6-08

आज दिनांक 23/05/2008 को

बही सं 1 जिल्द सं 1987

पृष्ठ सं 1 से 752 पर क्रमांक 2255

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

एम आर गुप्ता

उप-निबन्धक पं० म

गाजियाबाद

23/5/2008